This question paper contains 3 printed pages.]

*Your Roll No.* .....

**8192** **A**

## B.Ed.

## Paper IV (*d*)

## (METHODS OF TEACHING – HISTORY A)

*Time* : 1½ *Hours* *Maximum Marks* : 35

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

***Note*** : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**टिप्पणी** : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

*Attempt* ***three*** *questions in all.*

*Question No.* **1** *is Compulsory.*

कुल **तीन** प्रश्न कीजिए।

प्रश्न संख्या **1** अनिवार्य है।

1. Discuss with examples the pedagogical interventions in the textbooks used by you during your school Experience Programme. 11

अपने विद्यालयी अनुभव कार्यक्रम के दौरान आपके द्वारा प्रयुक्त पाठय-पुस्तकों में शिक्षाशास्त्रीय हस्तक्षेपों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

[P.T.O.

2. Explain why young people should study History. Discuss ways in which history teaching in schools can enable students to develop a historical perspective on issues. Give examples to illustrate your suggestions. 12

स्पष्ट कीजिए कि अल्पवय छात्रों को इतिहास का अध्ययन क्यों करना चाहिए। उन तरीकों का विवेचन कीजिए जिनसे विद्यालयों में इतिहास शिक्षण छात्रों को मुद्दों पर ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य विकसित करने में समर्थ बना सकें। अपने सुझावों को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण दीजिए।

3. Critically examine the view that introducing local history at the school stage has the danger of promoting parochialism and regional cultural chavinism. 12

इस अभिमत का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए कि विद्यालय के स्तर पर स्थानीय इतिहास को समाविष्ट करने से संकीर्णवृत्ति और क्षेत्रीय सांस्कृतिक अन्धभक्ति के सम्वर्धन का खतरा है।

4. The NCF 2005, reiterats the need to preserve disciplinary boundaries in engaging students with social science at the middle and high school levels and reflects inter-disciplinary thinking in the treatment of subject matter in the social science textbooks. Comment with specific illustrations. 12

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 माध्यमिक और उच्च विद्यालयी स्तरों पर सामाजिक विज्ञानों में छात्रों को प्रवृत्त करने में विद्याशाखाई सीमाओं को बनाए रखने की आवश्यकता को दोहराती है और सामाजिक विज्ञानों की पाठ्य-पुस्तकों में विषय-वस्तु के निरूपण में अन्त:शास्त्रीय चिन्तन प्रतिबिम्बित करती है। विशिष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए टिप्पणी कीजिए।

5. Write short notes on any *two* of the following : 12

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Importance of primary sources in the teaching of history.

इतिहास शिक्षण में प्राथमिक स्रोतों का महत्त्व।

(b) Appropriate evaluation techniques to map the learning of history.

इतिहास अधिगम की योजना में उपयुक्त मूल्यांकन प्रविधियाँ।

(c) Importance of cultivating a sense of time and space in history.

इतिहास में काल और दिक् बोध को संवर्धित करने का महत्त्व।

(d) Need for a history room in schools.

विद्यालयों में इतिहास कक्ष की आवश्यकता।